बिरसा मुंडा एक महान व्यक्तित्व का नाम है ।

डॉ0 कमल नयन चतुर्वेदी

देवरिया ।। नगर के सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मंदिर देवरिया खास देवरिया में आज प्रार्थना सभा में क्रांतिकारी और जनजातियों के नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ कमल नयन चतुर्वेदी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उनके कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में हुआ और मृत्यु 1900 में हुई परंतु इन 25 वर्षों में उन्होंने जो कार्य किया वह उन्हें महान बना गया। आज भी झारखंड के लोग उन्हें बिरसा मुंडा नहीं बल्कि भगवान बिरसा मुंडा कहते हैं। रांची के जेल में उनकी रहस्यमई मौत हो गई उन्होंने उल गुना न एक संबोधन दिया जिसका अर्थ होता है महान कोलाहल ।यह आदिवासी जनजातियों के लिए उनके शिक्षा के लिए उनकी कुरीतियों के दूर करने के लिए अनेक कार्य किया। इसलिए झारखंड के लोग उन्हें भगवान बिरसा मुंडा कहते हैं। डॉक्टर कमलयान चतुर्वेदी ने बताया कि व्यक्ति अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है । बिरसा मुंडा जी ने 25 वर्षों के जीवन काल में ही वह कार्य कर दिया जिससे उन्हें आज भी पूजा जाता है उनकी मृत्यु को 125 साल हो चुके हैं परंतु उन्हें उनके कार्यों के लिए याद किया जाता है हम सबको भी उनसे प्रेरणा लेकर के अपने जीवन में ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे राष्ट्र का देश का समाज का भला हो सके और हम लोगों के दिलों में जीवित रह सके। बताते चलें कि कमलनयन चतुर्वेदी जो विगत 60 वर्षों से संघ का कार्य कर रहे हैं यह 1985 से लेकर 1990 तक जिला कार्यवाह की भूमिका का निर्वाह भी कर चुके हैं । प्रसिद्ध चाणक्य धारावाहिक में यह सम्राट की भूमिका भी अदा कर चुके हैं। वर्तमान में यह मुंबई में एक्टिंग स्कूल चलते हैं मूलभूत देवरिया के निवासी डॉक्टर कमलनयन मोतीलाल रोड पर उनके आवास है अपने संबोधन के दौरान उन्होंने छात्रों से सीधा संवाद करते हुए उनके द्वारा पूछे गए कई प्रश्नों के उत्तर भी दिए जिससे छात्रों बहुत उत्साहित होकर के उनका संबोधन सुनते रहे । इस अवसर पर कमल नयन चतुर्वेदी के साथ विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री जगदीश प्रसाद रहे। कार्यक्रम का संचालन आचार्य श्री अक्षयबर पति त्रिपाठी ने किया। यह जानकारी विद्यालय के प्रचार प्रसार विभाग प्रमुख आचार्य श्री चंद्र प्रकाश सिंह ने दी।